

कविता का सारांश

"पहली बूँद" कविता वर्षा ऋतु के आगमन का एक उत्सवपूर्ण चित्रण है। कवि ने पहली बारिश की बूँद को धरती पर जीवन का संचार करने वाली एक अमृत तुल्य बूँद के रूप में चित्रित किया है। यह बूँद सूखी धरती को नया जीवन देती है और प्रकृति को पुनर्जीवित करती है। कवि ने बारिश के मौसम के आने से पहले की प्रकृति की पीड़ा और बारिश के आगमन के बाद प्रकृति की खुशी को बहुत ही सुंदर शब्दों में व्यक्त किया है।

कविता में बादलों को सागर, बिजली को स्वर्णिम पर और धरती को वसुंधरा कहा गया है, जो प्रकृति के सौंदर्य को और अधिक उभारता है। कवि ने बारिश की बूँदों को धरती की प्यास बुझाने वाले करुणा के अश्रु के रूप में भी चित्रित किया है।

कविता का मूल भाव: कविता का मूल भाव है कि प्रकृति का चक्र निरंतर चलता रहता है। सूखे के बाद वर्षा का आना और वर्षा के बाद फसलों का उगना प्रकृति का एक अनिवार्य नियम है। कवि ने इस कविता के माध्यम से प्रकृति के इस चक्र को बहुत ही सुंदर ढंग से व्यक्त किया है।

शब्दार्थ:

पावस	: बारिश, वर्षाऋतु	बिजली	: आकाश में चमकने वाली रौशनी
प्रथम	: पहला	स्वर्णिम	: सोने जैसा, सुनहरा
धरा	: धरती	नगाडे	: ढोल
नव-जीवन	: नया जीवन	तरुणाई	: जवानी
अंकुर	: बीज से निकलने वाला छोटा पौधा	बादल	: जलद
अँगड़ाई	: खींचकर शरीर को फैलाना	नयनों	: आँखों
अधर	: होंठ	करुणा	: दया
अमृत	: देवताओं का पेय	विगलित	: पिघला हुआ
वसुंधरा	: धरती	अश्रु	: आँसू
रोमावलि	: रोमों की पंक्ति	अंबर	: आकाश
पुलकी	: खड़ी होकर	चिर-प्यास	: सदैव की प्यास
आसमान	: आकाश	शस्य-श्यामला	: फसलों से हरी-भरी
सागर	: समुद्र	ललचाई	: इच्छा की

कवि परिचय

गोपालकृष्ण कौल हिंदी साहित्य के प्रतिष्ठित कवि हैं, जो अपनी कविताओं में गहरी भावनाओं और प्रकृति प्रेम को उजागर करने के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके लेखन में करुणा और संवेदनशीलता का स्पर्श होता है, जो पाठकों को उनकी रचनाओं से जोड़ता है। उनकी कविताएँ प्रकृति की सुंदरता और मानवीय संवेदनाओं का उत्कृष्ट संगम प्रस्तुत करती हैं।

सोच-विचार के लिए

कविता को एक बार फिर से पढ़िए और निम्नलिखित के बारे में पता लगाकर अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए-

- बारिश की पहली बूँद से धरती का हर्ष कैसे प्रकट होता है?

उत्तर: धरती के सूखे होंठों पर बारिश की बूँद अमृत के समान गिरती है, मानो वर्षा होने से बेजान और सूखी पड़ी धरती को नवीन जीवन ही मिल गया हो। इस प्रकार वर्षा की पहली बूँद से धरती की प्रसन्नता प्रकट होती है।

- कविता में आकाश और बादलों को किनके समान बताया गया है?

उत्तर: कविता में आकाश को नीले आंखों के समान और बादलों को आंखों के काली पुतलियों के समान बताया गया है।

कविता की रचना

‘आसमान में उड़ता सागर, लगा स्वर्णिम पर बिजलियों के कविता की इस पंक्ति का सामान्य अर्थ देखें तो समुद्र का आकाश में उड़ना असंभव होता है। लेकिन जब हम इस पंक्ति का भावार्थ समझते हैं तो अर्थ इस प्रकार निकलता है समुद्र का जल बिजलियों के सुनहरे पंख लगाकर आकाश में उड़ रहा है। ऐसे प्रयोग न केवल कविता की सुंदरता बढ़ाते हैं बल्कि उसे आनंददायक भी बनाते हैं। इस कविता में ऐसे दृश्यों को पहचानें और उन पर चर्चा करें।

उत्तर:

- नीले नयनों-सा यह अंबर, काली पुतली-से ये जलधर।

अर्थ:- कवि को आसमान नीले नयनों की तरह दिखाई दे रहे हैं और जो जलधर मतलब काले बादल है इन बादलों को कवि ने काली पुतलियां कहा है।

शब्द एक अर्थ अनेक

‘अंकुर फूट पड़ा धरती से, नव-जीवन की ले अँगड़ाई’ कविता की इस पंक्ति में ‘फूटने’ का अर्थ पौधे का अंकुर है। ‘फूट’ का प्रयोग अलग-अलग अर्थों में किया जाता है, जैसे- फूट डालना, घड़ा फूटना आदि। अब फूट शब्द का प्रयोग ऐसे वाक्यों में कीजिए जहाँ इसके भिन्न-भिन्न अर्थ निकलते हों, जैसे- अंग्रेजों की नीति थी फूट डालो और राज करो।

उत्तर:

- शत्रुओं ने हमारे बीच फूट डालने की कोशिश की।
- बच्चा फूट फूट कर रो रहा था।
- दीवार से टकराते ही उसकी एक आँख फूट गई।
- धरती से जल की धारा फूट पड़ी।

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

‘नीले नयनों-सा यह अंबर, काली पुतली से ये जलधर’ कविता की इस पंक्ति में ‘जलधर’ शब्द आया है। ‘जलधर’ दो शब्दों से बना है, जल और धरा इस प्रकार जलधर का शाब्दिक अर्थ हुआ जल को धारण करने वाला। बादल और समुद्र, दोनों ही जल धारण करते हैं। इसलिए दोनों जलधर हैं। वाक्य के संदर्भ या प्रयोग से हम जान सकेंगे कि जलधर का अर्थ समुद्र है या बादल। शब्दकोश या इंटरनेट की सहायता से धर’ से मिलकर बने कुछ शब्द और उनके अर्थ ढूँढ़कर लिखिए।

- गिरिधर = गिरी का अर्थ है पर्वत मतलब पर्वत को उठाने वाला
- जटाधर = जिसके सिर पर जटाएं होती हैं उसे जटाधर कहते हैं।
- मुरलीधर = जो बासुरी मतलब मुरली बजाता है।
- गदाधर = जिसके पास गदा होती है।
- चक्रधर = जो चक्र को धारण करता है।
- हलधर = हल को धारण करने वाला अर्थात् बलराम।
- श्रीधर = लक्ष्मी को धारण करने वाला अर्थात् विष्णु।
- भूधर - पर्वत, पृथ्वी को धारण करने वाला शेषनाग ।
- गंगाधर - गंगा को धारण करने वाले अर्थात् शिव, शिव का एक नाम गंगाधर भी है।

पाठ से आगे

आपकी बात

- बारिश को लेकर हर व्यक्ति का अनुभव भिन्न होता है। बारिश आने पर आपको कैसा लगता है ? बताइए।

उत्तर: बारिश आने पर मुझे ठंडक और ताजगी का अहसास होता है। पानी की बूंदें और ठंडी हवा मेरे मन को शांति और सुकून देती हैं। बारिश का मौसम मुझे प्राकृतिक सौंदर्य और नयापन का अनुभव कराता है, जिससे दिल को राहत मिलती है।

- आपको कौन-सी ऋतु सबसे अधिक प्रिय है और क्यों? बताइए।

उत्तर: वर्षा ऋतु मुझे बहुत प्रिय है। वर्षा ऋतु के दिनों में बारिश में भीगने में बहुत मज़ा आता है। भीगकर घर पहुँचने के बाद गर्म-गर्म चाय और पकौड़ों के साथ बहुत मज़ा आता है।

आइए इंद्रधनुष बनाएँ

बारिश की बूंदें न केवल जीव-जंतुओं को राहत पहुँचाती हैं बल्कि धरती को हरा-भरा भी बनाती हैं। कभी-कभी ये बूंदें आकाश में बहुरंगी छटा बिखेरती हैं जिसे ‘इंद्रधनुष’ कहा जाता है। आप भी एक सुंदर इंद्रधनुष बनाइए और उस पर एक छोटी-सी कविता लिखिए | इसे कोई प्यारा सा नाम भी दीजिए।



रंगों का राजा

मेघों के बाद, आकाश में,
रंगों का झूला डोलाता है।
इंद्रधनुष, कितना प्यारा लगता,
मन मोह लेता, मुस्काता है।

लाल, नारंगी, पीला, हरा,
नीला, जामुनी, बैंगनी रंग।
बादलों के बीच, झिलमिलाता,
देता है मन को आनंद।

I. लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर (Short Answer Type Questions)

1. वर्षा ऋतु की पहली बूँद से धरती पर क्या परिवर्तन हुआ?

उत्तर: वर्षा ऋतु की पहली बूँद गिरते ही धरती को नया जीवन मिला। तपती गर्मी के बाद यह बूँद जीवनदायिनी बनी और सूखी धरती में छिपे बीज अंकुरित हो उठे। पूरी प्रकृति प्रसन्न होकर एक नई ऊर्जा से भर गई।

2. इस कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

उत्तर: कवि इस कविता के माध्यम से वर्षा की महत्ता को बताना चाहता है। वह बताता है कि वर्षा सिर्फ जल नहीं लाती, बल्कि यह धरती को नया जीवन देती है, प्रकृति को हरियाली से भर देती है और सभी जीवों के लिए अमृत के समान होती है।

3. कवि ने वर्षा ऋतु के आगमन को किस प्रकार चित्रित किया है?

उत्तर: कवि ने वर्षा ऋतु के आगमन को एक उत्सव की तरह बताया है, जहाँ बादल नगाड़े बजाते हैं, बिजलियाँ चमकती हैं और धरती खुशी से झूम उठती है।

II. दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर (Long Answer Type Questions)

1. कविता में कवि ने आकाश की कौन-कौन सी विशेषताएं बताई हैं?

उत्तर: कवि ने आकाश को नीले नयनों के समान और काले बादलों के रूप में वर्णित किया है। वर्षा की बूँदों को आकाश की आंखों से बहते आंसुओं के रूप में दिखाया गया है, जो धरती की प्यास बुझाते हैं। यह चित्रण आकाश की करुणा और संवेदनशीलता को प्रकट करता है।

2. कविता में 'पहली बूँद' को नवजीवन का प्रतीक कैसे बताया गया है?

उत्तर: पहली बूँद को नवजीवन का प्रतीक इसलिए बताया गया है क्योंकि यह बूँद धरती की सूखी अवस्था को समाप्त करती है और उसे हरा-भरा बनाती है। यह जीवन में नई शुरुआत का प्रतीक है, जो दुख और कठिनाईयों के बाद आने वाली खुशी और जीवन की ताजगी को दर्शाती है।

3. कविता में 'जलधारा' और 'अश्रुधारा' के प्रतीक का क्या अर्थ है?

उत्तर: कविता में 'जलधारा' वर्षा का प्रतीक है, जो धरती की प्यास बुझाती है, जबकि 'अश्रुधारा' आकाश की करुणा और संवेदनशीलता को दर्शाता है। दोनों धाराओं को मिलाकर कवि ने जीवन की पुनर्जीवन शक्ति और करुणा का सामंजस्य दिखाया है।

III. बहुविकल्पीय प्रश्न :

1. कवि के अनुसार, वर्षा की पहली बूँद के धरती पर गिरने से क्या होता है?
(क) धरती सूख जाती है. (ख) धरती में नव-जीवन का संचार होता है
(ग) धरती पर फूल खिल जाते हैं. (घ) धरती जलमग्न हो जाती है
उत्तर: (ख) धरती में नव-जीवन का संचार होता है
2. 'वसुंधरा की रोमावलि-सी' से कवि का तात्पर्य किससे है?
(क) धरती की वनस्पति से (ख) धरती की मिट्टी से
(ग) धरती की नदियों से. (घ) धरती की हरी-दूब से.
उत्तर: (घ) धरती की हरी-दूब से
3. कवि ने आकाश और बादलों की तुलना किससे की है?
(क) समुद्र और नदी से (ख) सूरज और चाँद से
(ग) नीली आँखों और काली पुतली से (घ) पेड़ और पौधों से
उत्तर: (ग) नीली आँखों और काली पुतली से
4. कवि ने वर्षा की बूँदों को किस रूप में प्रस्तुत किया है?
(क) आँसूओं के (ख) मोतियों के (ग) जलाशयों के (घ) सितारों के.
उत्तर: (क) आँसूओं के
5. धरती के सूखे अधरों का क्या अर्थ है?
(क) सूखी झीलें (ख) सूखी पड़ी मिट्टी. (ग) बंजर वनस्पति (घ) नदी की धाराएँ
उत्तर: (ख) सूखी पड़ी मिट्टी
6. धरती पर अंकुर फूटने का क्या संकेत है?
(क) जीवन का अंत. (ख) नव-जीवन की शुरुआत (ग) पतझड़ का आगमन. (घ) सूखापन
उत्तर: (ख) नव-जीवन की शुरुआत
7. वसुंधरा किसका प्रतीक है?
(क) आकाश का. (ख) धरती का. (ग) नदी का (घ) पर्वत का
उत्तर: (ख) धरती का
8. कविता में कवि ने 'अमृत' किसे कहा है?
(क) चाँदनी को. (ख) बारिश की पहली बूँद को
(ग) सूर्य की किरणों को. (घ) ओस की बूँदों को
उत्तर: (ख) बारिश की पहली बूँद को

IV. रिक्त स्थान भरें :

नीचे दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

- | | |
|--|---------------------|
| 1. बारिश की पहली बूँद धरती के लिए _____ का प्रतीक है। | उत्तर: नव-जीवन |
| 2. नीले-नयनों से तात्पर्य _____ से है। | उत्तर: आकाश |
| 3. अंकुर फूटकर धरती के अंदर छिपे _____ से बाहर निकलता है। | उत्तर: बीज |
| 4. कवि के अनुसार, बूढ़ी धरती बनने _____ के लिए फिर से ललचाई। | उत्तर: शस्य-श्यामला |
| 5. वर्षा का _____ पाकर धरती की प्यास बुझ जाती है। | उत्तर: प्रेम |

V. सत्य-असत्य :

नीचे दिए गए कथनों में से सत्य या असत्य कथन की पहचान कीजिए -

- | | |
|--|---------------|
| 1. 'धरती की चिर-प्यास बुझाने' का अर्थ धरती की नमी को कम करना है। | उत्तर : असत्य |
| 2. बादल नगाड़े बजाकर धरती की तरुणाई को जगाने का प्रयास कर रहे हैं। | उत्तर : सत्य |
| 3. बूढ़ी धरती पुनः बंजर होने को लालायित है। | उत्तर : असत्य |
| 4. कवि ने आकाश को समुद्र के रूप में देखा है। | उत्तर : सत्य |
| 5. वर्षा की बूँदें धरती की हरियाली को नष्ट कर देती हैं। | उत्तर : असत्य |